शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

शैक्षिक बालगीत संकलन

रविवार तरंग

दिनांक
01.08.2021

क्रमांक
201 से 225 तक

सृजन बाल गीत

भाग- 8

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
201
सृजन बालगीत
भाग-8

बारिश

रिमझिम-रिमझिम बारिश आयी,
बच्चों के मन को भायी।
पानी में छप-छप करते,
कागज की नाव बनायी।।

एक साथ सब मस्ती करते,
छाता लेकर बाहर निकलते।
छत पर जाकर खूब नहाते,
कभी आँगन में धूम मचाते।।

चाय पकौड़े सबको भाये,
मम्मी ने गरमागरम बनाये।
मम्मी बोली दौड़ कर आओ,
सब साथ में बैठ कर खाओ।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021

202

सृजन बालगीत

भाग-8

आइसक्रीम वाला

एक आइसक्रीम वाला आया,
साथ अपने कुल्फी, वनीला लाया।
पापा मुझको दे दो कुछ पैसे,
खाऊँगा मै आइसक्रीम मजे से।।

कभी-कभी माँ घर पे बनाती,
काजू, बादाम उसमें डालती।
ठण्डी आइसक्रीम मुझको भाती,
अलग-अलग स्वाद में आती।।

रचना- नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021

203 सृजन बालगीत

भाग-8

तर्ज- भला किसी का कर न सको

गुरु महिमा

गुरु बिना है ज्ञान कहाँ,
छायी रहे अज्ञानता।
मन का तिमिर मिटाये वो,
देखो इसकी महानता।।

सेतु बना जीवन मृत्यु का,
परमपिता तक ले जाये।
सगुण की राह दिखाये हमको,
नित दुर्गुण हरता जाये।।

सत्य सनातन जीवन हो,
ध्यान जो हर पल है रखता।
मन का तिमिर मिटाये वो,
देखो इसकी महानता।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
204
सृजन बालगीत
भाग-8

आओ खेलें खेल

आओ मिलकर खेलें खेल,
मिलकर बनाये मिट्टी की रेल।
रेल करती छुक-छुक,
स्टेशन बोले रुक-रुक।।

आओ हम सब बनाये नाव,
सुन्दर-सुन्दर कागज़ की नाव।
नाव चली भई नाव चली,
पानी में देखो नाव चली।।

आओ हम सब बनाये घोड़ा,
घोड़ा आये दौड़ा-दौड़ा।
घोड़ा हमको सैर कराये,
खूब मजे से चने चबाये।।

रचना:
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
205
सृजन बालगीत
भाग-8

7 महाद्वीप..

सात महाद्वीपों में बँटी है,
अपनी धरती प्यारी।
नदी, झील, सुन्दर वन, पर्वत,
आकर्षक, मनोहारी।।

एशिया, यूरोप, अफ्रीका,
उत्तर-दक्षिण अमरीका।
सबसे छोटा ऑस्ट्रेलिया,
बर्फीला अंटार्कटिका।।

सबसे बड़ा एशिया जानों,
सबसे छोटा ऑस्ट्रेलिया।
और बड़े हो जाओ बच्चों!
फिर घूमना सारी दुनिया।।

रचना
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
सृजन बालगीत
206
भाग-8

सच्चा मित्र

मित्र वही जो साथ निभाये,
हर मुश्किल में राह दिखाये।
देख करीब आता उसको,
हृदय स्वयं प्रफुल्लित हो जाये।।

सही गलत का भेद कराये,
यदि हों गलत तो हमें चेताये।
हो खुश वो हमारी खुशी से,
देख दु:खी हमें, द्रवित हो जाये।।

सबको ऐसा सखा मिल जाये,
जो जीवन को सरस बनाये।
अपनी सुधि लेने से पहले ,
अपने मित्र का ध्यान लगाये।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
207
सृजन बालगीत
भाग-8

प्यारे बच्चों

प्यारे बच्चों बात है मानो,
सदा ही तुम हँस कर बोलो।
बड़ों के आगे शीश झुकाओ,
मीठे-मीठे बोल ही बोलो॥

बड़ों का तुम कहना मानो,
दूसरों का भला ही चाहो।
मानवता का पाठ तुम सीखो,
पढ़-लिखकर तुम नाम कमाओ॥

रचना
शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
208
सृजन बालगीत
भाग-8

पेन्सिल

पेन्सिल बोली कॉपी से,
लिख लो मुझसे जल्दी से।
हर अक्षर को पढ़ती हूँ,
क ख ग घ लिखती हूँ।।

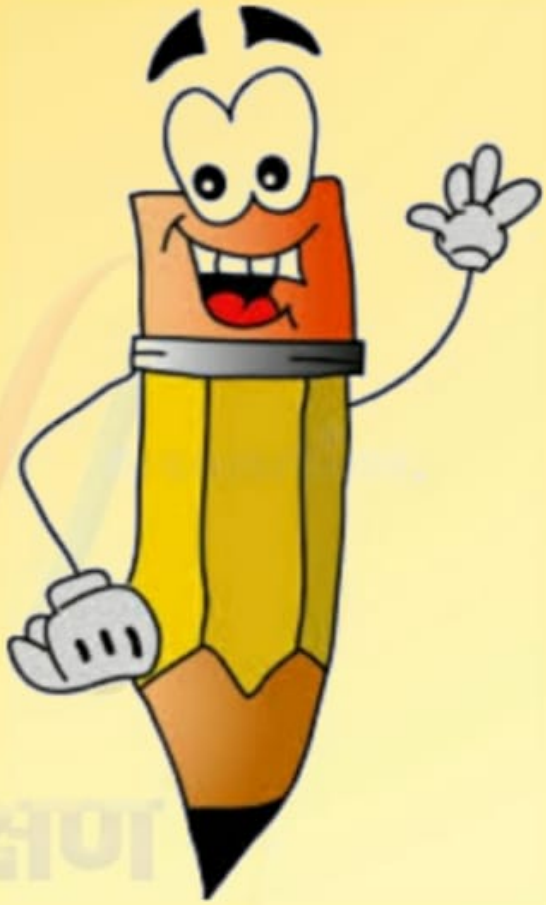

हर रंग की मैं आती हूँ,
बच्चों को मैं भाती हूँ।
सुन्दर-सुन्दर चित्रों में फिर,
रंग-रंगीली छाती हूँ।।

रचना-
रीता गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० कलेक्टरपुरवा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
209
सृजन बालगीत
भाग-8

सच्ची मित्रता

खट्टी-मीठी इमली, चटनी,
मीठी चॉकलेट, टॉफी।
संग-संग हँसते-खाते, खेलें,
बातों में मीठी बोली।।

न तेरा न मेरा है कुछ,
सब कुछ है बस अपना।
तेरे संग लम्हे जो बीते,
जैसे सुन्दर सपना।।

कभी रूठना, कभी मनाना,
संग-संग बैठ बतियाना।
सही राह हर पल दिखलाना,
ऐसे सच्ची मित्रता निभाना।।

रचना - प्रतिभा यादव (स•अ•)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
पुवॉरका, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
210
सृजन बालगीत
भाग-8

सुन्दर सपना

मैंने देखा सुन्दर सपना,
प्यारा सा है घर अपना।
घर के अन्दर चाँद-सितारे,
चम-चम चमके सुन्दर सारे।।

पापा राजा, मम्मी रानी,
सुन्दर सी है यह कहानी।
मैं तो थी एक राजकुमारी,
हुकुम चलाती सब पर भारी।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021

211

सृजन बालगीत

भाग-8

मेरा प्रदेश

सुनो-सुनो ये बात जरा सी,
मैं हूँ उत्तराखण्ड का वासी।
पक्षी मेरा है मोनाल,
कस्तूरी मृग मतवाली चाल।।

लाल बुराँश सबसे है न्यारा,
ब्रह्मकमल मनभावन प्यारा।
देवों की धरती यह प्रदेश,
जय-जय मेरा भारत देश।।

रचना-

डॉ० मीरा भारद्वाज (स०अ०)
रा० प्रा० वि० सलेमपुर-1
बहादराबाद, हरिद्वार

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
212
सृजन बालगीत
भाग-8

मोर (मयूर)

सुन्दर-सुन्दर पंख फैलाकर,
मैं नाचता जंगल-जंगल।
सिर पर कलगी, आँखें छोटी,
थिरकूँ वर्षा के आने पर।।

मनमोहक मैं नाच दिखाता,
मैं सबको खुश कर जाता।
रंग-बिरंगे पंख दिखलाऊँ,
राष्ट्रीय पक्षी मैं कहलाऊँ।।

रचना-
सुगन्धा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021

213

सृजन बालगीत

भाग-8

बचपन

जब भी याद आ जाता है,
बचपन का वो जमाना।
आँखों में चमक आ जाती है,
दिल गाता है तराना।।

बारिश में भीगकर,
कागज की नाव चलाना।
पेड़ों पर झूले डालकर,
सखियों संग इठलाना।।

मम्मी से अपनी हर जिद मनवाना,
हर शाम पापा का कहानी सुनाना।
आज भी बहुत याद आता है,
बचपन का वो जमाना।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
214
सृजन बालगीत
भाग-8

रिमझिम-रिमझिम आयी बारिश

रिमझिम-रिमझिम आयी बारिश,
खुशियाँ देखो लायी बारिश।
डाली-डाली पर फूल खिले,
नयी उम्मीदें लायी बारिश।।

काली-काली घटाएँ आती,
रिमझिम पानी बरसाती।
प्रकृति सारी सुन्दर हो जाती,
रिमझिम-रिमझिम बारिश आती।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
215
सृजन बालगीत
भाग-8

मुन्नी रानी

मुन्नी रानी, मुन्नी रानी,
बड़ी नटखट बड़ी सयानी।
पापा-मम्मी की वह लाडली,
चाहें उसको नाना-नानी।।

दिन भर करती रहे शरारतें,
रात में बनती भोली-भाली।
लाड़ करे उसको घर भर,
मुन्नी रानी बड़ी मतवाली।।

रचना-
निकहत रशीद (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
216
सृजन बालगीत
भाग-8

कचौड़ियाँ

मम्मी नें गरमा-गरम ,
कचौड़ियाँ बनायी।
हम सभी बच्चों को,
बड़े प्यार से खिलायी।।

आचार और चटनी भी,
प्लेटों में रख लायी।
मम्मी-पापा जी ने भी,
संग बैठकर हमारे खायी।।

रचना-
माला सिंह (स० अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
217
सृजन बालगीत
भाग-8

धूप

छत-पेड़ों पर खिली हुई है,
बड़ी सुनहरी धूप।
बारिश के जो बाद निकलती,
सुन्दर उसका रूप।।

जाड़े के मौसम में सबके,
मन को भाती धूप।
सूरज दादा लेकर आते,
सबकी सखी-सहेली धूप।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
218
सृजन बालगीत
भाग-8

आँधी आयी

आँधी आयी, आँधी आयी,
कितनी धूल उड़ाती आयी?
कूड़ा-करकट, फूल और पत्ते,
जाने क्या-क्या संग ले आयी?

बन्द करो खिड़की-दरवाजे,
मम्मी ने आवाज़ लगायी।
शोर मचा है चारों ओर,
जाने कैसी आफत आयी?

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
219
सृजन बालगीत
भाग-8

मेरी गैया

मेरी गैया बहुत ही प्यारी,
सारे जग से वो है न्यारी।
रम्भा करके मुझे बुलाती,
गर्दन हिला प्यार दिखाती।।

शरीर काले रंग का उसका,
सफेद रंग का माथे पर टीका।
दूध दही मक्खन वो देती,
गैया माता जय हो तेरी।।

रचना-
रेखा पुरोहित (स०अ०)
रा० प्रा० वि० सौंराखाल
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
220
सृजन बालगीत
भाग-8

हम बच्चे

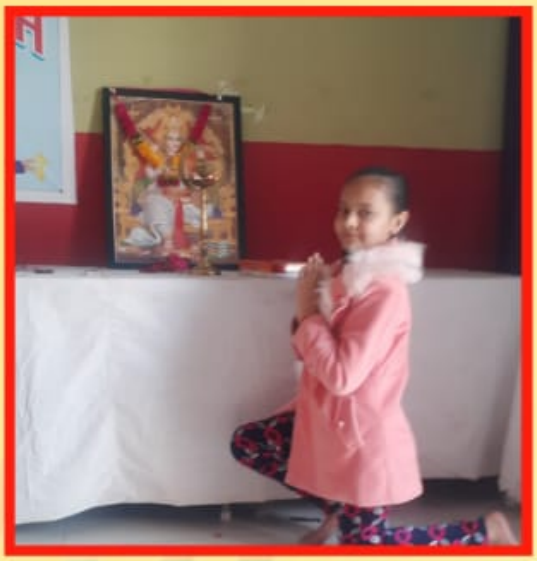

हम बच्चे हैं मन के सच्चे,
सबको लगते बहुत ही अच्छे।
काम कभी भी गलत ना करते,
सच्चाई की राह पर चलते।।

पापा करते हमको प्यार,
मम्मी देती हमें दुलार।
दादा-दादी के आँख के तारे,
नाना-नानी को हम हैं प्यारे।।

रचना
प्रकृति वशिष्ठ (छात्रा)
कक्षा-5
के० वी० पी० एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
221
सृजन बालगीत
भाग-8

गुब्बारे

रंग-बिरंगे, प्यारे-प्यारे,
कितने सुन्दर हैं गुब्बारे।
राजू, मोनू, दीपा, मुन्नी,
मिलकर खेलें बच्चे सारे।।

हरा, गुलाबी, नीला, पीला,
देखो कोई है चमकीला।
राजू ने लिये दो गुब्बारे,
एक हरा और दूजा पीला।।

मुन्नी भी दौड़कर आयी,
घर से पाँच रुपये लायी।
लेकर गुब्बारे उसने तो,
घर को अपने दौड़ लगायी।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
222
सृजन बालगीत
भाग-8

माँ

सबसे प्यारी होती माँ,
जग से न्यारी होती माँ।
ममता-करुणा की मूरत माँ,
हम पर प्यार लुटाती माँ।।

माँ से घर स्वर्ग बनता,
फूलों की तरह महकने लगता।
माँ से ही जीवन मिलता,
माँ से ही जीवन सँवरता।।

हम माँ का सम्मान करें,
माँ की बात का मान रखें।
हम भी माँ को सहयोग करें,
हर हाल में माँ का ध्यान रखें।।

रचना:-
दिव्या रावत (छात्रा)
कक्षा- 6
रा० उ० प्रा० वि० गिंवाला
ब्लॉक- अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
223
सृजन बालगीत
भाग-8

देशप्रेम

माँ मुझको बन्दूक दिला दो,
मैं भी सरहद पर जाऊँगा।
नहीं डरूँगा दुश्मन से,
उसके छक्के छुड़ाऊँगा।।

नहीं रुकूँगा अब बिल्कुल भी,
आगे-आगे बढ़ जाऊँगा।
दुश्मन देश डरेगा मुझसे,
ऐसा बन दिखलाऊँगा।।

रचना
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
224
सृजन बालगीत
भाग-8

दोस्त

हम दोस्त सच्चे और अच्छे हैं,
कभी रूठे नहीं ऐसे बच्चे हैं,
कच्चे धागे से बंधी डोर ऐसी,
दुख-सुख सह कर ही सच्चे हैं।।

राम-श्याम की जोडी है प्यारी,
लगती दुनिया से सबसे न्यारी।
स्कूल भी साथ-साथ जाते हैं,
मैडम भी लगती है प्यारी।।

ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
रविवार तरंग दिनांक- 01/08/2021
225 सृजन बालगीत
भाग-8

दोस्ती

सबसे प्यारा सबसे न्यारा,
दोस्ती का रिश्ता होता है।
जीवनभर सुख-दुःख में,
साथ हमेशा होता है।।

प्यारी दोस्ती कभी ना टूटे,
एक-दूजे का साथ ना छूटे।
दोस्ती बन जाये मिसाल,
दोस्त-दोस्त से कभी ना रूठे।।

रचना-
रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत - भाग 08

रचनाकारों की सूची

201- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
202- नीलम भास्कर, बागपत
203- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
204- रुखसाना बानो, मिर्जापु
205- राजकुमार शर्मा, चित्रकू
206- भावना जैन, बागपत
207- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
208- रीता गुप्ता, बाँदा
209- प्रतिभा यादव, सहारनपु
210- भावना शर्मा, मेरठ
211- मीरा भारद्वाज, हरिद्वार
212- सुगन्धा अग्रवाल, बाँदा
213- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
214- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
215- निकहत रशीद, बाँदा
216- माला सिंह, मेरठ
217- शिखा वर्मा, सीतापुर
218- स्नेहलता, मेरठ
219- रेखा पुरोहित, रुद्रप्रयाग
220- प्रकृति वशिष्ठ (छात्रा), मेरठ
221- जितेन्द्र कुमार, बागपत
222- दिव्या रावत (छात्रा), रुद्रप्रयाग
223- मोना शर्मा, मेरठ
224- ऊषा रानी, मेरठ
225- रीना काकरान, मेरठ

तकनीकी सहयोग

1- शिखा वर्मा, सीतापुर 2- रीना काकरान, मेरठ
3- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर 4- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम